राज्यपाल सचिवालय

राजभवन, जयपुर

राजभवन में राज्यपाल श्री बागडे की अध्यक्षता में सर्व धर्म सद्भाव बैठक आयोजित

मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों से सावधान रहने, सोशल मीडिया पर फेक न्यूज से बचने का आह्वान किया

सीमावर्ती क्षेत्रों में राहत और बचाव के प्रभावी प्रबंध किए हैं, सभी रिक्त पदों को भरा गया है–मुख्यमंत्री

राज्यपाल ने केन्द्र सरकार और सेना द्वारा संयमित, रक्षात्मक कार्यवाही की सराहना की

सर्व धर्म सद्भाव भारत की संस्कृति–राज्यपाल

जयपुर, 10 मई। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सर्व धर्म सद्भाव भारत की संस्कृति है। उन्होंने कहा की राष्ट्र के लिए यह समय संवेदनशील है। उन्होंने भारतीय सेना के शौर्य प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बगैर नागरिक ठिकानों को केन्द्र में रखते हुए वह बहुत संयमित ढंग से कार्यवाही कर रही है। उन्होंने सभी धर्म के अनुयायियों को सद्भाव बनाए रखते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

श्री बागडे ने कहा कि हमारी सेना संयमित और रक्षात्मक कार्यवाही कर रही है। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता की इस घड़ी में परस्पर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान का बहुत बड़ा भू भाग सीमा से लगा हुआ है। उन्होंने सीमावर्ती जैसलमेर, फलोदी, बाड़मेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर आदि क्षेत्रों में हो रही कार्यवाही की चर्चा करते हुए कहा कि वहां सभी स्तरों पर सतर्कता और तालमेल रखा जाए।

श्री बागडे शनिवार को राजभवन में सर्व धर्म सद्भाव बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बहुत संवेदनशील होकर समयबद्ध प्रभावी कदम उठाए गए है। नागरिक सुरक्षा के प्रभावी प्रबंध किए गए हैं। राज्य सरकार ने सभी रेस्क्यू बंदोबस्त किए हैं। उन्होंने सर्व धर्म सद्भाव के साथ विकास की भारतीय नीति को सर्वोपरि रखते हुए "राष्ट्र प्रथम" की सोच से कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार इस समय हर क्षेत्र में सक्रिय होकर कार्य कर रही है। उन्होंने सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों से सावधान रहने, सोशल मीडिया पर फेक न्यूज प्रसारित होने की घटनाओं को ध्यान में रखकर कार्यवाही करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सद्भाव और मेलजोल में कमी नहीं आए, इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

श्री शर्मा ने कहा कि बोर्डर पर सभी रिक्त पदों को भरने की त्वरित कार्यवाही की गयी है। बिजली, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ब्लड बैंक, एम्बूलेंस और अन्य साधनों के प्रभावी प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने आम जन से आह्वान भी किया कि वे सीमावर्ती क्षेत्रों में ब्लेक आउट को देखते हुए शादी–विवाह दिन में ही करें। ऐसे अवसरों पर ड्रोन का उपयोग प्रतिबंधित किया हुआ है। इसे ध्यान में रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में राहत कार्यों के लिए पांच–पांच करोड़ रूपये प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा उनके निकट के जिलों के लिए भी ढाई ढाई करोड़ का प्रावधान किया गया है। आरएसी, होमगार्ड और पुलिस की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती जिलों में भेजी गयी है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि बोर्डर पर रात–रात भर जागकर लोग सुरक्षा के लिए कार्य कर रहे हैं और उनमें राष्ट्र के प्रति विशेष जज्बा देखने को मिल रहा है। उन्होंने प्रशासन और पुलिस द्वारा मुस्तैद रहकर कार्य किए जाने की भी सराहना की।

इससे पहले विभिन्न धर्मो के प्रतिनिधियों ने सर्व धर्म सद्भाव की भारतीय संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि संवेदनशीलता के इस समय में वह अपने स्तर पर सभी तरह से सहयोग देने के लिए तत्पर हैं। बैठक में मोतीडूंगरी गणेश मंदिर के महंत श्री कैलाश शर्मा द्वारा और जैन समाज द्वारा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में ग्यारह, ग्यारह लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह श्री आनंदकुमार, कार्मिक विभाग के सचिव डॉ. कृष्णाकांत पाठक पुलिस महानिदेशक श्री यू.आर. साहू, पुलिस आयुक्त श्री बीजू जॉर्ज जोसफ, जिला कलक्टर श्री जितेन्द्र कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राजभवन
राजस्थान